सार्वजनिक ऋण एवं आर्थिक विकास

Public Debt and Economic Development

Dr. Sadhna
Associate Prof. in Economics
SMS Khalsa Labana College
Barara, Ambala

DEBT

Introduction

- आर्थिक विकास के लिए भारी मात्रा में निवेश तथा पूंजी निर्माण की आवश्यकता होती है। तकनीकी प्रगति तथा पूँजीगत वस्तुओ का निर्यात भी आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है।
- आंतरिक सार्वजनिक ऋण पूँजी निर्माण तथा तकनीकी प्रगति में सहायक हो जाता है।
- विदेशी वस्तुओं का प्रयोग प्रयाप्त मात्रा में पूँजीगत वस्तुओं का आयात करने के लिए किया जा सकता है।

अर्थव्यवस्था के वितीय ढांचे में योगदान

- सार्वजनिक ऋण द्वारा देश के वितीय ढांचे को एक विश्वसनीय आधार प्रदान किया जाता है।
- विभिन्न परिपक्वता अवधि वाले ऋण वितीय संस्थाओं तथा वितीय बाजारों को निवेश के प्रर्याप्त अवसर प्रदान करते है।
- वितीय ढांचे की नीवसाख अथवा विश्वास पर निर्भर करती है।
- सार्वजनिक ऋण में कोई जोखिम नही होता तथा इसका क्रय विक्रय भी आसानी से किया जा सकता है।
- बैंको के द्वारा किया जाने वाला साख सृजन भी उनके द्वारा खरीदे गए सार्वजनिक ऋण के मुल्यों पर निर्भर करता है।
- एक देश का भौतिक विकास उसके वितीय ढांचे की मजबूती तथा विश्वास पर निर्भर करता है।
- सार्वजनिक ऋण का उचित प्रबन्ध वितीय ढांचे के विकास में सहायक होता है।

साधनों का पुनः आबंटन

- सार्वजनिक ऋणों द्वारा साधनों का अनुपयोगी एवं अनुत्पादक उपभोग के स्थान पर उत्पादक निवेश में पुनः आबंटन किया जा सकता है।
- इसके फलस्वरूप पुनवितरण प्रभावों का सृजन होता है।
- सार्वजनिक ऋणों का निवेश पूँजीगत वस्तुओं के निमार्ण क्षेत्र में किया जाता है।
- निजी निवेश अधिकतर उपभोग वस्तुओं के निर्माण क्षेत्र में किया जाता है। क्योकि इस क्षेत्र में लाभ के अवसर अधिक होते है।
- सार्वजनिक ऋणों साधनों के पुनवितरण द्वारा अर्थव्यवस्था के आर्थिक विकास संबंधि प्रयत्नों में सहायक होता है तथा इसका प्रयोग पूँजी निर्माण के लिए किया जाता है।

बचत को प्रोत्साहन

- सार्वजनिक ऋण बचत को प्रोत्साहित कर सकता है।
- लोगो की बचत तथा उसको प्रोत्साहित करने के लिए सार्वजनिक ऋण में किए जाने वाले निवेश पर कई प्रकार की टैक्स संबंधी छुट तथा अन्य रियायते दी जाती है।
- इस प्रकार एकत्रित की गई बचतों का उचित निवेश आर्थिक विकास में सहायक होता है।

मुद्रा स्फीती के बिना विकास का प्रबंधन

- सार्वजनिक ऋण द्वारा प्राप्त धन से कियाजाने वाला आर्धिक विकास करों द्वारा प्राप्त धन से किए जाने वाले आर्धिक विकास की तुलना में साख का अधिक विस्तार करता है।
- इसके फलस्वरूप मुद्रा स्फीति में इतनी वृद्धि नही होती जितनी उसी मात्रा में की जाने वाली घाटे की वित व्यवस्था के कारण होती है।
- सार्वजनिक ऋण में की जाने वाली वृद्धि के फलस्वरूप या तो उपभोग में कमी हो सकती है या व्यापारिक निवेश कम हो सकते है या निष्क्रय धन को सक्रिय बना सकते है।
- यदि निष्क्रय धन को सक्रिय बनाया जाता है तो इसके फलस्वरूप साख का अधिक विस्तार हो सकता है।
- यदि लोग अन्य प्रतिभूतियों को खरीदने के लिए उपयोग किए जाने वाले धन का प्रयोग सरकारी बांडस को खरीदने के लिए करते है तो प्रतिभूतियों की कीमतों में कमी होगी तथा साधनों का यह पुनर्वितरण स्फीतिकारी सिद्व नही होगा।
- यदि सार्वजनिक ऋण में किए जाने वाले निवेश के फलस्वरूप उपभोग कम होता है सार्वजनिक ऋणों का स्फीतिकारी प्रभाव न्यूनतम हो जाएगा।

आर्थिक विकास तथा बाहरी ऋण

- एक अल्प विकसीत देश सार्वजनिक ऋण के द्वारा विदेशी पूँजी तथा तकनीक प्राप्त कर सकता है। जो आन्तरिक सार्वजनिक ऋण से प्राप्त नही होती।
- विदेशी पूँजी तथा तकनीक आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण होती है।
- यह ध्यान रखना चाहिए कि बाहरी सार्वजनिक ऋण का कुल भार उसी मात्रा के आंतरिक सार्वजनिक ऋण के कुल भार से अधिक होता है।
- बाहरी ऋणों को उसी स्थिति में लिया जाना चाहिए जब उनके भुगतान की पूर्ण सम्भावना हो।

Why does Government Incur Debt

सरकार ऋण क्यो लेती है।

Introduction

- परम्परावादी अर्थशास्त्री संतुलित बजट की नीति में विश्वास रखते थे। वह सार्वजनिक ऋण नही मांगते थे।
- वर्तमान समय में सरकार के आर्थिक व विकास संबंधि कार्य बहुत बढ़ गए है। इन कार्यो में वृद्धि होने के कारण सार्वजनिक व्यय में भी बहुत अधिक वृद्धि हुई है।
- इस वृद्धि को पूरा करने के लिए सरकार को कई सांधनों से धन प्राप्त करना पढ़ता है।
- इन्ही कारणो से सार्वजनिक ऋण का महत्व अधिक बढ़ गया है।

सार्वजनिक ऋण का महत्व

1 आर्थिक विकास – अधिकतर विकास योजनाएँ दीर्घकालीन होती है। इन पूँजीगत और दीर्घकालीन योजनाओं को पूरा करने के लिए सरकार को काफी धन की आवश्यकता होती है। यह धन केवल करों से एकत्रित नही किया जा सकता है। इसके लिए ऋण का प्राप्त करना देश की आर्थिक विकास की धन संबंधि आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बहुत आवश्यक है।

2 निर्धनता के दुश्चक्र को तोड़ना – अल्पविकसित देशों में निर्धनता का दुश्चक्र पाया जाता हैं इन देशों में पूँजी निर्माण कम होता है। लोगो की आय कम होती है। इस लिए बचत भी कम होती है। इसलिए उप्पादकता भी कम होती है। इस प्रकार निर्धनता का दुश्चक्र चलता रहता है। इस दुश्चक्र को तोड़ने के लिए सरकार को भारी मात्रा में निवेश करना पड़ता है। निवेश के लिए धन की आवश्यकता होती है। धन को प्राप्त करने का सार्वजनिक ऋण एक साधन है।

सार्वजनिक ऋण का महत्व

3 **समाजिक कल्याण** – देश की उन्नति के लिए मानव पूँजी का बहुत अधिक महत्व है। मानव पूँजी की उन्नति के लिए राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान, दीनदयाल विकलांग पुनर्वास योजना, ग्राम सड़क योजना, जन-धन योजना, **सामान्य बीमा, उज्ज्वला योजना,** सार्वजनिक स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवा, सामाजिक सुरक्षा, अनुदान, सड़कें, नहरों **आदि सामाजिक कल्याण योजनाओं का विकास आवश्यक है। इन योजनाओ को चलाने के लिए काफी धन की आवश्यकता पड़ती है। यह धन सार्वजनिक ऋण द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।**

4 **संकटकाल** – संकटकालीन अवस्था जैसे युद्ध, बाढ़, महामारी, अकाल आदि समय में सरकार को काफी अधिक खर्च करना पढ़ता है। इन बढ़े हुए खर्चे के लिए धन की व्यवस्था सार्वजनिक ऋण द्वारा की जाती है। यह ऋण देश के अन्दर तथा विदेशों से प्राप्त किए जाते है।

सार्वजनिक ऋण का महत्व

5 **आर्थिक स्थितिकरण** – आर्थिक स्थायित्व का अर्थ है घरेलू कीमतों और विदेशी विनिमय में न्यूनतम सम्भव परिवर्तन । इस प्रकार यह सुस्थिर कीमतों पर पूर्ण रोजगार की संभाल की स्थिति है । **कई बार देश में लोगो के पास मुद्रा की पूर्ति बढ़ जाती है। इसके फलस्वरूप कीमतो में वृद्धि होती है। मुद्रा की पूर्ति को कम करना आवश्यक हो जाता है। इसके लिए सरकार आवश्यकता न होते हुए भी जनता से ऋण लेती है। अतः सार्वजनिक ऋण आर्थिक स्थितिकरण के लिए भी लिए जाते है।**

6 **अवसाद से रक्षा – देश में मंदी के समय अर्थव्यवसथा को चलाने के लिए सार्वजनिक ऋण एक महत्वपूर्ण साधन है। मंदी के समय देश में आवश्यकता से कम उत्पादन होता है। और बेरोजगादी बढ़ जाती है।** मन्दी के दौरान सार्वजनिक व्यय अवश्य बढ़ना चाहिये जिसके परिणामस्वरूप मांग बढ़ेगी । बढ़ी हुई मांग कीमतों के गिरने की प्रवृत्ति को रोकेगी । इसलिये, सार्वजनिक व्यय की अतिरिक्त खुराकें अर्थव्यवस्था की स्थिरता की दलदल से बाहर निकालने में सहायक होंगी ।

Thank you